Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

M.A. Darshan, Semester : Second
Darshan ; Paper : Second

न्याय–वैशेषिक–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. प्रत्यक्ष प्रमाण की पूर्व पक्षी के द्वारा अनुपपत्ति दिखाते हुए उक्त आशङ्का का समाधान करें।
2. संशय की असत्ता दिखाते हुए पूर्वपक्ष का निराकरण करें तथा संशय लक्षण की सार्थकता दिखायें।
3. अर्थवाद का सप्रमाण निरूपण करते हुए यह भी बतायें कि ब्राह्मणादि ग्रन्थों में कितने प्रकार के वाक्य पाये जाते हैं?
4. वैशेषिक दर्शन के अनुसार आत्मा का लक्षण बताते हुए, आत्मा नित्य है अथवा अनित्य यह भी सप्रमाण सिद्ध करें।
5. प्रशस्तपाद भाष्यानुसार मनः प्रकरण का विस्तृत वर्णन करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. शब्द प्रमाण की प्रामाणिकता नहीं है अनृत, व्याघात और पुनरुक्ति दोष के कारण, इसका समाधान करें।
2. अनुमान प्रमाण की प्रामाणिकता में पूर्वपक्षी के दोषों का निराकरण करते हुए लक्षण की प्रामाणिकता सिद्ध करें।
3. उपमान प्रमाण की असिद्धि की आशङ्का तथा उसका निराकरण करें।
4. अनुवाद तथा पुनरुक्ति में क्या अन्तर है। प्रमाणपूर्वक लिखें।
5. मन, द्रव्य, गुण व कर्म में–से कौन–सा है? यह बताते हुए उसकी नित्यता अथवा अनित्यता भी सिद्ध करें।
6. वैशेषिक दर्शन के अनुसार सब देहों में एक ही आत्मा है या अनेक प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।
7. नित्य का लक्षण बताते हुए कौन–कौन से पदार्थ नित्य हैं? यह भी स्पष्ट करें।

----------X----------